सांध्य दैनिक

# 4PM

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 337 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 13 जनवरी, 2022

सर्प, नृप, शेर, डंक मारने वाले ततैया, छोटे बच्चे, दूसरों के कुत्तों और एक मूर्ख इन सातों को नींद से नहीं उठाना चाहिए।

-चाणक्य

जिद...सच की


कांग्रेस सरकार पर बरसे केजरीवाल... 7 | यूपी चुनाव : अमेठी में दांव पर हैं... 3 | उत्तराखंड में भी भाजपा में कमजोर... 2


## यूपी की सियासत में प्रियंका की नयी पहल

# उन्नाव रेप पीड़िता की मां को बनाया उम्मीदवार

» नोएडा से पंखुड़ी पाठक और रामपुर खास से आराधना मिश्रा के नाम पर मुहर

» सोनभद्र नरसंहार के पीड़ितों में एक रामराज गोंड भी बनाए गए प्रत्याशी

## कांग्रेस ने जारी की 125 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट, 50 महिलाओं को दिया गया टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लड़की हूं लड़ सकती हूं और महिलाओं को चालीस फीसदी टिकट देने का ऐलान कर प्रदेश की सियासत में नयी पहल करने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आज 125 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की। उन्होंने अपने वादे के मुताबिक चालीस फीसदी यानी 50 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा है। पार्टी ने उन्नाव रेप पीड़िता की मां को भी प्रत्याशी बनाया है। नोएडा से पंखुड़ी पाठक और रामपुर खास से आराधना मिश्रा को टिकट दिया गया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी करते हुए कहा कि 125 प्रत्याशियों की पहली सूची में पार्टी ने 40 फीसदी महिलाओं और 40 फीसदी युवाओं को तरजीह दी गई है। इनमें 50 महिलाएं शामिल हैं।

इसमें कुछ पत्रकार, एक अभिनेत्री, कुछ संघर्षशील महिलाएं हैं जिन्होंने अपने जीवन में बहुत अत्याचार देखा है और उसके खिलाफ लड़ा है। उन्होंने कहा कि उन्नाव गैंगरेप पीड़िता की मां को चुनाव लड़ने का मौका दिया गया है। हमारे प्रत्याशियों की सूची एक नया संदेश दे रही है कि अगर आपके साथ अत्याचार हुआ तो आपमें ये शक्ति है कि आप अपने हक के लिए लड़ें। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस आपका समर्थन करेगी। कांग्रेस ने फर्रुखाबाद से सलमान खुर्शीद की पत्नी लुइस खुर्शीद को टिकट दिया है। इसके अलावा सोनभद्र नरसंहार के पीड़ितों में से एक रामराज गोंड भी कांग्रेस के टिकट पर मैदान में होंगे। शाहजहांपुर की आशा कार्यकर्ता पूनम पांडेय को भी कांग्रेस ने मैदान में उतारा है।

### तमकुही राज से लड़ेंगे अजय कुमार लल्लू

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को पार्टी ने तमकुही राज विधान सभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया है।

### लखनऊ की सीटों पर इन नामों का ऐलान

| | | |
|---|---|---|
| बख्शी का तालाब | - | लल्लन कुमार |
| सरोजिनी नगर | - | रुद्रदमन सिंह |
| लखनऊ सेंट्रल | - | सदफ जफर |
| लखनऊ कैंट | - | दिलप्रीत सिंह |
| मोहनलाल गंज | - | ममता चौधरी |


पूरी लिस्ट देखें पेज 8 पर


आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

# भाजपा में भगदड़ तेज, एक और मंत्री समेत कई विधायकों ने छोड़ी पार्टी

## मंत्री धर्म सिंह सैनी, विधायक मुकेश वर्मा और विनय शाक्य का भी इस्तीफा

» मुकेश बसपा छोड़कर शामिल हुए थे भाजपा में, इस्तीफों से पार्टी में मचा हड़कंप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में पहले चरण के मतदान से पहले भाजपा को एक और झटका लगा है। स्वामी प्रसाद मौर्या और कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान के भाजपा छोड़ने के बाद इस्तीफों का सिलसिला जारी है। अब फिरोजाबाद के शिकोहाबाद से भाजपा के विधायक मुकेश वर्मा ने पार्टी छोड़ दी है। विधायक विनय शाक्य ने भी इस्तीफा दे दिया है। हालांकि शाक्य ने एक दिन पहले ही इसका ऐलान कर दिया था। वहीं आयुष मंत्री धर्म सिंह सैनी ने इस्तीफा दे दिया है। लखीमपुर खीरी से विधायक बाला प्रसाद अवस्थी के भी पार्टी छोड़ने की खबर है।

फिरोजाबाद के शिकोहाबाद से भाजपा के विधायक मुकेश वर्मा ने विधान सभा की सदस्यता के साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। मुकेश वर्मा ने इस्तीफा देने के बाद कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्या उनके नेता हैं और वह जहां

भी जाएंगे, उनका अनुसरण करेंगे। वर्मा ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में उनके साथ और भी कई नेता जुड़ेंगे। वर्मा ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्या हमारे नेता हैं। वह जो भी फैसला लेंगे हम उसका समर्थन करेंगे। गौरतलब है कि वर्मा 2017 में बसपा छोड़ भाजपा में शामिल हुए थे। भाजपा ने इसके बाद उनको शिकोहाबाद से चुनाव के मैदान में उतारा था। मुकेश वर्मा पहली बार विधायक बने थे। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह को अपना इस्तीफा भेजा है। उन्होंने लिखा कि भाजपा सरकार द्वारा पांच वर्ष के कार्यकाल में दलित, पिछड़ों और अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं व जनप्रतिनिधियों को कोई तवज्जो नहीं दी गई और न ही कोई उचित सम्मान दिया गया। इसके अलावा दलित, पिछड़ों किसानों व बेरोजगारों की उपेक्षा की गई। ऐसे रवैये के कारण मैं भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। वे वर्ष 2017 में बसपा छोड़कर भाजपा में आए थे। वहीं आयुष मंत्री धर्म सिंह सैनी ने इस्तीफा दे दिया है। वे स्वामी प्रसाद मौर्या के करीबी हैं। भाजपा में मची भगदड़ से शीर्ष नेतृत्व में हड़कंप मचा हुआ है। अब तक भाजपा से 13 विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है।

# उत्तराखंड में भी भाजपा में कमजोर विधायकों का टिकट काटना बड़ी चुनौती

## » टिकट बंटवारे से पहले कांग्रेस ने भी बनाई रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में हर विधानसभा चुनाव में सत्ता में परिवर्तन का मिथक तोड़ने के लिए 60 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य तय कर मैदान में उतरी भाजपा टिकट बंटवारे से पहले एक नई चुनौती से जूझ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन को दोहराने की चुनौती से पार पाने के लिए भाजपा अपने कमजोर माने जा रहे एक-तिहाई विधायकों की जगह नए चेहरों को मौका देना चाहती है, मगर सशक्त विकल्पों के अभाव में पार्टी को इससे पीछे हटना पड़ सकता है। जिस तरह के संकेत मिल रहे हैं, भाजपा अब अपने अधिकांश विधायकों को फिर से मैदान में उतार सकती है, महज आठ से 10 विधायकों के टिकट पर संकट नजर आ रहा है।

प्रत्याशियों की पहली सूची नामांकन प्रक्रिया शुरू होने से पहले जारी करने की तैयारी है, शेष नाम 25 जनवरी तक फाइनल हो सकते हैं। उत्तराखंड चुनाव के लिए दूसरे चरण में 14 फरवरी को मतदान होना है, इसके लिए 28 जनवरी तक नामांकन किए जाएंगे। इसका मतलब हुआ कि अब राजनीतिक दलों के पास अपने 70 प्रत्याशी घोषित करने के लिए दो सप्ताह का समय शेष है। भाजपा पिछले तीन-चार महीनों से जिताऊ प्रत्याशियों की तलाश कर रही है। पिछले वर्ष अगस्त में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के उत्तराखंड प्रवास के दौरान मंथन के बाद यह बात सामने आई थी कि प्रदर्शन के पैमाने पर खरा न उतरने वाले विधायकों को इस चुनाव में मौका नहीं दिया जाएगा। तब ऐसे विधायकों की संख्या लगभग डेढ़ दर्जन बताई गई थी। इसके बाद पार्टी के सर्वे के हवाले से जानकारी सामने आई कि टिकट से वंचित रहने वाले विधायकों की संख्या 24-25 तक पहुंच सकती है।

## पहली सूची नामांकन प्रकिया शुरू होने तक

भाजपा अपनी पहली सूची नामांकन प्रकिया शुरू होने, यानी 21 जनवरी से पहले जारी करने की तैयारी में है, जबकि अंतिम सूची 24-25 जनवरी तक जारी की जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक के अनुसार 15 जनवरी को देहरादून में राज्य संसदीय बोर्ड की बैठक में प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा की जाएगी और पैनल तैयार कर केंद्रीय संसदीय बोर्ड को भेजे जाएंगे। इसके बाद केंद्रीय संसदीय बोर्ड प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगाएगा।

## 10 विधायकों को नहीं मिलेगा मौका

पिछले चुनाव में भाजपा ने 70 में से 57 सीटें जीती थीं, अब आगामी चुनाव में पार्टी के समक्ष अपने इस प्रदर्शन को दोहराने की चुनौती है। इसके लिए शुरुआत में भाजपा ने प्रत्याशी चयन में कड़े मानक अपनाने के संकेत दिए थे। अब जबकि प्रत्याशी चयन प्रक्रिया अंतिम दौर में है, भाजपा को कमजोर माने जा रहे विधायकों की सीटों पर उनसे मजबूत विकल्प तलाशने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति में अब अधिक संभावना इस बात की ही समझी जा रही है शायद ही आठ-दस से अधिक विधायकों के टिकट कटेंगे।

## भाजपा को हराने के लिए नया प्रयोग करने की तैयारी में सपा-रालोद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2022 में परिवर्तन होगा नारे के साथ चुनावी समर में उतर रहे सपा और रालोद भाजपा को हराने के लिए इस बार नया प्रयोग करने की तैयारी में हैं। आने वाले समय में आपको दोनों दलों के नेता एक-दूसरे के चुनाव निशान पर मैदान में दिखाई देंगे। चौधरी जयंत सिंह और अखिलेश यादव के बीच ऐसे प्रत्याशियों के नामों पर सहमति भी बन चुकी है। मेरठ जिले में कैंट और सरधना सीट पर यह प्रयोग हो सकता है। भाजपा को हराने के लिए सपा प्रदेश के अधिकतर छोटे दलों को साथ लेकर चुनावी समर में उतर रही है।

पश्चिमी यूपी के किसानों में असर रखने वाला रालोद भी गठबंधन में शामिल है। पश्चिमी यूपी में सपा-रालोद ने हर सीट पर भाजपा की घेरेबंदी के लिए जातिगत समीकरणों पर काम तेज कर दिया है। मुजफ्फरनगर की चरथावल सीट पर भी सपा प्रत्याशी को रालोद के सिंबल पर लड़ाने की बात हो रही है। मीरापुर, खतौली, मांट, कांठ सीट पर भी ऐसा प्रयोग हो सकता है। पश्चिमी यूपी की कई सीटों की तरह ही पूर्वांचल में भी यह प्रयोग हो सकता है। रालोद के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मसूद अहमद, पूर्व एमएलसी रामाशीष राय और राजा ऐश्वर्य राज को सपा के सिंबल पर लड़ाया जा सकता है।

# बीजेपी के नेता हमसे कहते हैं अखिलेश से बात करा दीजिए : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। 10 फरवरी से पहले चरण का मतदान शुरू होने जा रहा है जो 7 मार्च को अंतिम चरण की वोटिंग तक जाएगा। 10 मार्च को वोटों की गिनती होगी। इससे पहले सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि बीजेपी के बहुत नेता आ रहे हैं, डेढ़ दर्जन मंत्री रात-रात हमको परेशान करते हैं और टिकट फाइनल करने की बात करते हैं। कहते हैं कि सपा या अपनी पार्टी से लड़वा दीजिए। कहते हैं कि अखिलेशजी से हमारी बात करा दीजिए। दयाशंकर के बारे में राजभर बताते हैं कि वो अपनी पत्नी के लिए टिकट की मांग कर रहे हैं।

बता दें कि हाल ही में दयाशंकर और ओपी राजभर की बंद कमरे में मुलाकात की बात सामने आई थी। इस खबर के बाद चर्चा होने लगी कि क्या बीजेपी ओपी राजभर को मनाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि राजभर पहले बीजेपी के ही साथ थे। इसी मामले में ओपी राजभर ने सफाई दी और बताया कि ये सब लोग टिकट की मांग करने आ रहे हैं। ओपी राजभर ने बीजेपी पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि दुनिया में अगर झूठ बोलने वाले, धोखा देने वाले, दलित-पिछड़ों का हक मारने वाले नेता अगर कहीं मिलेंगे तो भाजपा में होंगे। बीजेपी अगर 50 सीट जीत जाए तो बहुत है बलिया, मऊ, आजमगढ़, मिर्जापुर में बीजेपी का खाता तक नहीं खुलेगा। ओपी राजभर ने कहा कि अब ये अपनी जमानत बचाएं। क्योंकि किसान डंडा लेकर खेत में खड़ा है, व्यापारी ने भी अपना हथियार ठीक कर रखा है। इनको सबक सिखाएगा।

# पार्टी छोड़ रहे नेताओं को केशव मौर्य की नसीहत, दोबारा विचार करें

## » स्वामी प्रसाद मौर्य व दारा सिंह से की भावुक अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वामी प्रसाद मौर्य के बाद योगी कैबिनेट के मंत्री दारा सिंह चौहान ने भी इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थक कुछ विधायक भी चुनाव से ठीक पहले बीजेपी छोड़ने का ऐलान कर चुके हैं। 48 घंटे में कई नेताओं के पार्टी छोड़ने पर दुख जाहिर करते हुए यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रास्ते अलग कर रहे नेताओं को नसीहत देते हुए है कि इससे उनका नुकसान होगा।

उन्होंने इन नेताओं के नए ठिकाने यानी समाजवादी पार्टी को डूबती हुई नाव बताया है। मौर्य ने दोनों नेताओं से दोबारा विचार करने की अपील की। केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया कि परिवार का कोई सदस्य भटक जाए तो दुख होता है जाने वाले आदरणीय महानुभावों को मैं बस यही आग्रह करूंगा कि डूबती हुई नाव पर सवार होने से नुकसान उनका ही होगा बड़े भाई श्री दारा सिंह जी आप अपने फैसले पर पुनर्विचार करिए। केशव प्रसाद मौर्य ने इससे पहले मंगलवार को स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे के बाद भी उनसे दोबारा बातचीत का प्रस्ताव रखते हुए कहा था कि जल्दबाजी में फैसले अक्सर गलत हो जाते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार में वन, पर्यावरण और जन्तु उद्यान मंत्री दारा सिंह चौहान ने बुधवार को मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दे दिया। मऊ की मधुबन सीट से विधायक चौहान ने कहा कि पिछड़ों, दलितों, किसानों और बेरोजगार युवाओं के प्रति सरकार की उपेक्षा के चलते वह इस्तीफा दे रहे हैं।

## बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

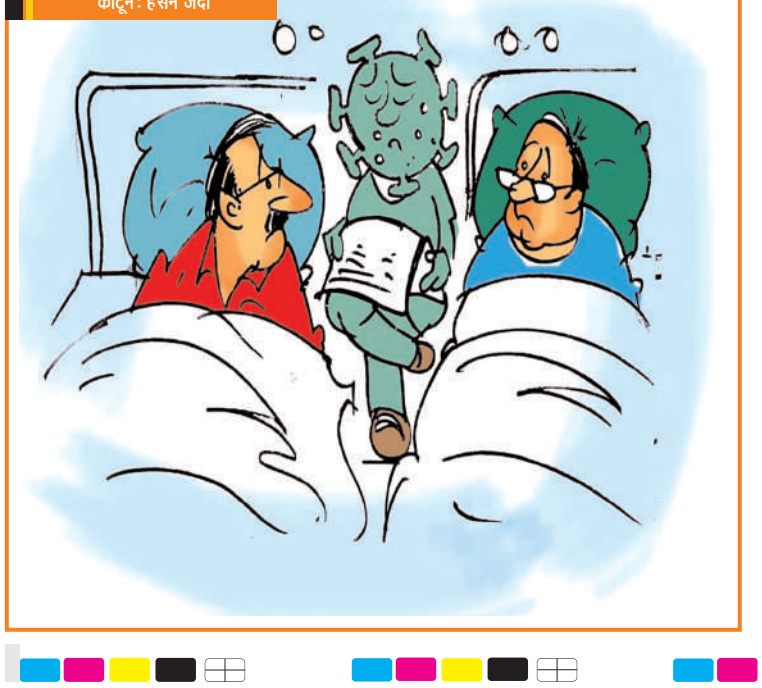

# भाजपा का मास्टर स्ट्रोक, राम मंदिर निर्माण की लहर में योगी अयोध्या से लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव में राम मंदिर निर्माण की लहर बहा रही भाजपा के राष्ट्रवाद को धार देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या से विधानसभा चुनाव लड़ाने जा रही है। भाजपा के साथ मुख्यमंत्री के करीबी लोगों ने अयोध्या में योगी की चुनावी जमीन तैयार करना शुरू कर दिया है। भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में भी योगी को अयोध्या से चुनाव लड़ाने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। वहीं शीर्ष नेतृत्व ने भी योगी को अयोध्या से लड़ाने की मंजूरी दी है।

विधानसभा चुनाव में भाजपा 80 बनाम 20 के नारे के साथ में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर निर्माण और भविष्य में मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण को मुद्दा बना रही है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सत्ता संभालते ही अयोध्या को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा। योगी ने दीपावली पर हर वर्ष अयोध्या में दीपोत्सव के आयोजन के साथ अयोध्या के घाटों, मंदिरों के साथ समूची अयोध्या के विकास पर जोर दिया है। चुनाव में अयोध्या और राष्ट्रवाद के नाम पर ध्रुवीकरण के लिए भाजपा ने योगी को अयोध्या से चुनाव लड़ाने की तैयारी की है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि सीएम योगी के अयोध्या से चुनाव लड़ने से ना केवल देश में अच्छा संदेश जाएगा बल्कि अवध और पूर्वांचल की सीटों पर भी भाजपा को बढ़त मिलेगी।

## काशी से मोदी अयोध्या से योगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी से सांसद है, 2014 में मोदी ने यूपी को साधने के लिए काशी से चुनाव लड़ना तय किया था। उनका यह प्रयोग 2014 और 2019 में सफल रहा। काशी और अयोध्या बहुसंख्यक समाज की आस्था के केंद्र है। अब अयोध्या से योगी को चुनाव लड़ाकर भाजपा अपने बहुसंख्यक वोट बैंक को साधना चाहती है।

# यूपी चुनाव : अमेठी में दांव पर हैं स्मृति और प्रियंका की प्रतिष्ठा

» राजनीति में शीर्ष पर स्थापित हैं दोनों महिलाएं

» लड़की हूं लड़ सकती हूं से प्रियंका को मिली धार

» सांसद होने के नाते स्मृति सभी सीटें जीतना चाहेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव देश के लिए अहम है। देश की राजनीति में शीर्ष पर स्थापित दो महिलाओं की प्रतिष्ठा अमेठी में इस चुनाव को लेकर एक तरीके से दांव पर है। विधान सभा चुनाव में जनता की अदालत का फैसला अपने पाले में लाने के लिए दोनों महिलाओं की ओर से सियासी बिसात बिछाई जा रही है। महिलाओं के दिल में जगह बनाने के लिए प्रियंका वाड्रा- लड़की हूं, लड़ सकती हूं...नारे के साथ नारी शक्ति की एक जुटता के लिए पूरे प्रदेश में मेहनत कर रही हैं।

उनका विश्वास है कि महिलाओं के सहारे देश की सियासत बदली जा सकती है। वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने जनता का विश्वास अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए पार्टी के कार्यकताओं प्रेरित कर उन्हें जनता से परस्पर संपर्क में रहने को कहा है ताकि विकास कार्यों व संचालित योजनाओं की जानकारी घर-घर पहुंच सके। स्मृति ईरानी की मानें तो इस बार के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिलेगी जबकि भाजपा 2017 की तरह ही अपना प्रदर्शन करेगी। वहीं रायबरेली में सदर विधायक अदिति सिंह को भी स्मृति का साथ मिल रहा है। सूत्रों के अनुसार अब वे भाजपा में है, ऐसे में भाजपा उन्हें टिकट जरूर देगी।

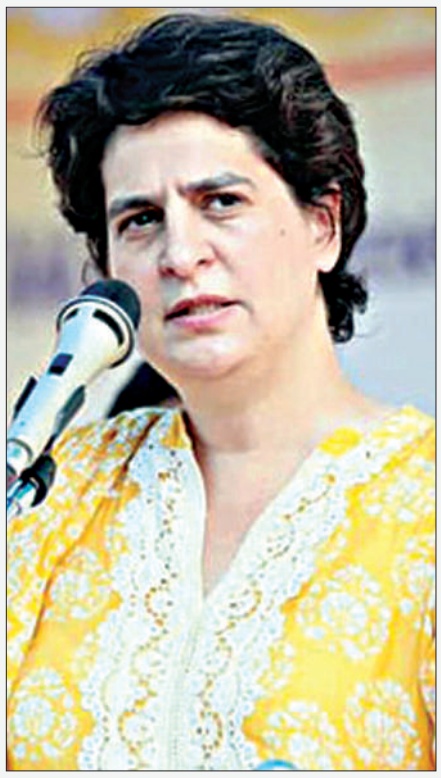

## भाजपा के लिए अमेठी की सीटें बहुत जरूरी

स्मृति ईरानी और भाजपा संगठन का केवल और केवल एक मंत्र हैं, जीत। यूं तो अमेठी जिले में केवल चार विधान सभा सीट गौरीगंज, तिलोई, अमेठी और जगदीशपुर है। पर लोकसभा में रायबरेली की सलोन विधान सभा भी शामिल है। इन पांचों सीटों पर पार्टी का विजय सुनिश्चित करने का संकल्प पर संगठन ने काम शुरू कर दिया है।

## 2012 में दो तो 2017 में शून्य पर आ गई कांग्रेस

कांग्रेस के पास 2012 के विधान सभा चुनाव में दो सीट जगदीशपुर व तिलोई थी। गौरीगंज व अमेठी पर सपा का कब्जा रहा। 2017 का विधान सभा चुनाव हुआ तो पार्टी का प्रदर्शन बेहतर होने के बजाय, बिखर गया। अमेठी, तिलोई व जगदीशपुर में भाजपा और गौरीगंज में सपा ने विजय प्राप्त किया।

## पुरुषों से सिर्फ 23 हजार कम महिलाएं

जनपद की चारों विधान सभा में मतदाताओं की संख्या 22 लाख, 89 हजार, 494 है। जिनमें 11 लाख, 30 हजार, 421 मिलाएं हैं। वह पुरुषों से केवल 28 हजार 652 मत पीछे हैं। तिलोई में दो लाख, 88 हजार, 286, अमेठी में दो लाख, 62 हजार, 858 गौरीगंज में दो लाख, 81 हजार 701 और जगदीशपुर में दो लाख 97 हजार 576 महिला वोटर हैं। इन्ही महिला मतदाताओं पर नजर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा की है। उनसे वह भावनात्मक रिश्ता बनाने की कोशिश में हैं।

# यूपी चुनाव : विधायकों के इस्तीफों से घबरायी भाजपा ने बदली रणनीति

## लगातार इस्तीफा दे रहे हैं विधायक खोज रहे नया ठिकाना

» अब अंधाधुंध नहीं काटे जाएंगे टिकट, प्रदेश में जारी है सियासी उठापटक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद प्रदेश का सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। सियासी उठापटक तेज हो गयी है। वहीं भाजपा में भगदड़ का माहौल है। अभी तक आधा दर्जन से अधिक विधायक इस्तीफा दे चुके हैं। इससे शीर्ष नेतृत्व घबरा गया है और अब प्रत्याशियों के टिकट को लेकर बीच का रुख अपनाने की रणनीति अपना रहा है।

उत्तर प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्या के इस्तीफे के बाद जारी सियासी उठा-पटक के बीच विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने अपनी रणनीति बदल ली है। सूत्रों की मानें तो अमित शाह उत्तर प्रदेश में होने वाले विधान सभा चुनाव में सिटिंग विधायकों का अंधाधुंध टिकट काटने के फैसले के खिलाफ हैं। माना जा रहा है कि अब मौजूदा विधायकों के टिकट पहले की तुलना में कम कटेंगे और कुछ विधायकों का सीट बदलकर उन्हें दूसरी सीट से चुनाव लड़ाया जाएगा। भाजपा के इस फैसले से उन विधायकों को राहत मिलेगी, जिनका पत्ता कटने वाला था। इससे पहले चर्चा गर्म थी कि यूपी चुनाव में भाजपा करीब 100 मौजूदा विधायकों का पत्ता काट सकती है। बताया गया था कि इस बार अधिक संख्या में मौजूदा विधायकों का पत्ता कटने वाला है क्योंकि भाजपा प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में ज्यादातर लोग इसी पक्ष में दिखे थे। हालांकि, उम्मीदवारों के नाम पर फाइनल मुहर लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य के अन्य नेताओं के साथ पश्चिमी यूपी के लिए पहले दो चरणों के चुनाव के लिए अपनी सिफारिशों के साथ मंगलवार को दिल्ली पहुंचे और भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक में हिस्सा लिया। इससे पहले सोमवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भाजपा प्रदेश चुनाव समिति की बैठक हुई थी। इस बैठक में प्रत्याशियों के नाम को लेकर मंथन किया गया था। सूत्रों ने बताया था कि मौजूदा विधायकों में से तकरीबन 25 फीसदी चेहरे बदले जा सकते हैं मगर इसका फाइनल फैसला भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में होगी, जो उम्मीद है कि इसी सप्ताह होगी। इसमें पहले, दूसरे और तीसरे चरण के प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा होगी लेकिन अब खबर आ गई है कि खुद अमित शाह इस रणनीति के खिलाफ हैं।

## कई विधायक दे चुके हैं इस्तीफा

स्वामी प्रसाद मौर्या समेत चार विधायकों ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया था जबकि बुधवार को वन मंत्री दारा सिंह चौहान ने इस्तीफा दे दिया है। वहीं मीरपुर सीट से भाजपा विधायक अवतार सिंह भड़ाना ने रालोद का दामन थाम लिया है।

## बदली जाएंगी सीटें

अमित शाह की बदली रणनीति के मुताबिक, अब मौजूदा विधायकों के टिकट कम कटेंगे। तकरीबन एक दर्जन सिटिंग विधायकों का सीट बदलकर उन्हें दूसरी सीट पर चुनाव लड़ाया जाएगा। माना जा रहा है कि भाजपा की प्रदेश समिति की बैठक में यह बात सामने आई थी कि जिन सीटों पर मौजूदा विधायकों के खिलाफ हवा है, उनका पत्ता कट सकता है, मगर अब भाजपा ने इसकी काट निकाल ली है। जहां-जहां विधायकों के खिलाफ नाराजगी है, वहां कैंडिडेट को ही बदल दिया जाएगा और मौजूदा विधायक को दूसरी जगह से टिकट दिया जाएगा।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# स्वच्छता के दावों की हकीकत

**सवाल यह है कि शहरों को साफ-सुथरा रखने के लिए जिम्मेदार नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? स्वच्छता के तमाम दावे जमीन पर क्यों नहीं दिख रहे हैं? बाजार से लेकर गलियों तक में कूड़े के ढेर क्यों लगे हुए हैं? सफाई कर्मियों की फौज होने के बाद हालात बदतर क्यों होते जा रहे हैं? सफाई के नाम पर जारी भारी-भरकम बजट कहां जा रहा है?**

*कोरोना की तीसरी लहर ने देश भर में कोहराम मचा दिया है। पिछले कई दिनों से रोजाना डेढ़ लाख से अधिक लोग संक्रमित हो रहे हैं। मौत का ग्राफ भी बढ़ता जा रहा है। उत्तर प्रदेश में भी कोरोना संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश में सड़कों से लेकर गलियों तक में गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है। महामारी के दौर में गंदगी संक्रमण को और भी फैला सकता है। सवाल यह है कि शहरों को साफ-सुथरा रखने के लिए जिम्मेदार नगर निगम और नगर पालिकाएं क्या कर रही हैं? स्वच्छता के तमाम दावे जमीन पर क्यों नहीं दिख रहे हैं? बाजार से लेकर गलियों तक में कूड़े के ढेर क्यों लगे हुए हैं? सफाई कर्मियों की फौज होने के बाद हालात बदतर क्यों होते जा रहे हैं? सफाई के नाम पर जारी भारी-भरकम बजट कहां जा रहा है? क्या कूड़े के ढेर संक्रमण को और नहीं बढ़ा देंगे? महामारी काल में लोगों की सेहत से खिलावाड़ क्यों किया जा रहा है?*

*स्वच्छता अभियान के तमाम दावों की पोल एक बार फिर खुल गयी है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में गंदगी का साम्राज्य फैला हुआ है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ की हालत भी कोई बहुत अच्छी नहीं है। यहां शहर को चमकाने की जिम्मेदारी नगर निगम के पास है। बावजूद इसके सड़कों, गलियों और बाजारों में कूड़ा फैला रहता है। कुछ पॉश कॉलोनियों को छोड़कर सफाई कर्मचारी कहीं भी नहीं दिखते हैं। पुराने लखनऊ की हालत और भी खराब है। यहां खाली प्लाटों में लोग कूड़ा डंप कर रहे हैं। यही नहीं सड़क पर रखे गए डस्टबिन भी कूड़े से अटे पड़े हैं और उसके निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं की गयी है। इसके कारण कूड़ा सड़कों पर फैल रहा है। इसमें इस्तेमाल किए गए मास्क और दस्ताने पड़े रहते हैं जो संक्रमण को न्योता दे रहे हैं। कूड़े के ढेर अन्य प्रकार की बीमारियों से लोगों को ग्रसित कर सकते हैं। यह स्थिति तब है जब शहर को साफ सुथरा रखने के लिए भारी-भरकम बजट हर साल जारी किया जाता है। जल निकासी का हाल यह है कि कई इलाकों में नाली का गंदा पानी सड़कों और गलियों में बहता रहता है। इससे लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। हैरानी की बात यह है कि आज तक कूड़ा निस्तारण के लिए समुचित व्यवस्था तक नहीं की गयी है। साफ है कि महामारी काल में भी साफ-सफाई को लेकर अधिकारी और कर्मचारी गंभीर नहीं दिख रहे हैं। यह स्थिति बेहद खराब है और महामारी के संक्रमण को खतरनाक स्थिति तक पहुंच सकता है। इसका सीधा असर न केवल प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य पर पड़ेगा बल्कि चिकित्सा तंत्र भी प्रभावित होगा।*

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# अव्यावहारिक नीतियों से उपजा बेरोजगारी संकट

भरत झुनझुनवाला

वर्तमान में अर्थव्यवस्था सुचारु रूप से चल रही दिखती है। जीएसटी की वसूली 1,30,000 करोड़ प्रति माह के नजदीक पहुंच गई है जो कि आज तक का अधिकतम स्तर है। कोविड के ओमीक्रॉन वेरिएंट के आने के बावजूद शेयर बाजार का सेंसेक्स 5,500 से 6,000 के स्तर पर बना हुआ है। रुपये का मूल्य 70 से 75 रुपए प्रति डॉलर पर बीते कई वर्षों से स्थिर टिका हुआ है। तमाम वैश्विक संस्थाओं के आकलन के अनुसार, भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली व्यवस्था बन चुकी है। इन सब उपलब्धियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेरोजगारी को एक विशेष चुनौती बताया है।

वर्ष 2018 में नीति आयोग ने देश की 75वीं वर्षगांठ के लिए बनाए गए रोड मैप में कहा था कि औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देना होगा और श्रम-सघन रोजगार को भी बढ़ावा देना होगा। नीति आयोग इन दोनों उद्देश्यों को एक साथ बढ़ावा देना चाहता है। आयोग समझता है कि यह दोनों उद्देश्य एक साथ मिलकर चल सकते हैं जैसे गाड़ी के दो चक्के मिलकर एक साथ चलते हैं लेकिन वास्तव में इन दोनों उद्देश्यों के बीच में अंतर्विरोध है इसीलिए वर्तमान में रोजगार की गाड़ी डगमग हो चली है। औपचारिक रोजगार और श्रम-सघन उद्योग के बीच पहला अंतर्विरोध श्रम की लागत का है। जैसे मान लीजिए नुक्कड़ पर मोमो बेचने वाले अनौपचारिक कर्मियों को हम औपचारिक छत्रछाया के नीचे ले आते हैं। अब इनका पंजीकरण होगा। पंजीकरण के बाद इन्हें अपने द्वारा बेचे गए मोमो का वजन नियमानुसार प्रमाणित करना होगा। सही क्वालिटी की प्लेट लगानी होगी। अपने सहायकों को न्यूनतम वेतन देना होगा। इन तमाम कार्यों से इनके द्वारा बनाए गए मोमो की लागत बढ़ जाएगी। वर्तमान में यदि ये सात रुपये में मोमो बेचते हैं जो औपचारिक रोजगार बनने के बाद इनके द्वारा उत्पादित मोमो का मूल्य 10 रुपये हो जाएगा। इससे इनकी जो कम दाम में बेचने की विशेषता है, वह समाप्त हो जाएगी। औपचारिक उत्पादन में दूसरा संकट ऑटोमेटिक मशीनों का है। मॉल में मोमो बेचने वाले औपचारिक विक्रेता द्वारा डिश वॉशर लगाया जाएगा और ऑटोमेटिक ओवन होगा, जिसमें बिजली की खपत कम होगी। इन ऑटोमेटिक मशीनों के कारण मोमो के औपचारिक उत्पादन में रोजगार की संख्या कम होगी। इसलिए औपचारिक रोजगार के चलते

श्रम-सघन नहीं बल्कि श्रम -विघन रोजगार उत्पन्न होंगे। तीसरा संकट वित्तीय औपचारिकता यानी नोटबंदी और जीएसटी का है। नोटबंदी के बाद वर्ष 2017 में एक ओला के ड्राइवर से चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि वे 35 वर्षों से चार महिलाओं को रोजगार दे रहे थे। उनसे घर पर कपड़ों में कसीदा करा रहे थे। नोटबंदी के बाद उनके क्रेताओं ने उन्हें नकद में पेमेंट करना बंद कर दिया। उनके पास व्यवस्था नहीं थी कि वे बैंक के माध्यम से कपड़े का पेमेंट ले सकें। इससे उनका बाजार समाप्त हो गया। उन्होंने चारों महिलाओं को मुअत्तल कर दिया और स्वयं जीविका चलने के लिए ओला के ड्राइवर का काम शुरू कर दिया। लगभग यही स्थिति जीएसटी की है जीएसटी के कारण छोटे उद्योगों को तमाम कानूनी पेचों से जूझना पड़ रहा है, जिसके कारण उनका धंधा कम हो रहा है। यह बात तमाम रपटों में दिखाई पड़ती है। इन तमाम कारणों से औपचारिक और श्रम-सघन रोजगार में सीधा अंतर्विरोध है लेकिन नीति आयोग इस अंतर्विरोध को नहीं समझता अथवा नहीं समझना चाहता है इसलिए अनायास ही औपचारिक रोजगार को बढ़ावा देने में नीति आयोग ने देश में रोजगार ही समाप्त कर दिए हैं। न्यून स्तर के अनौपचारिक जीवन के स्थान पर नीति आयोग ने औपचारिक मृत्यु को देशवासियों के पल्ले में डाल दिया है, जिसके कारण प्रधानमंत्री ने कहा है कि रोजगार हमारे सामने प्रमुख चुनौती है। नीति आयोग भारत को विकसित देशों की तर्ज पर औपचारिक श्रम की तरफ धकेलना चाहता है। लेकिन आयोग इस बात को भूल रहा है कि वर्तमान में पश्चिमी देश भी अनौपचारिक रोजगार की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। इसे वहां 'गिग' रोजगार कहा जाता है जैसे श्रमिक घर में तीन घंटे बैठकर डेटा एंट्री इत्यादि करते हैं। इन गिग श्रमिकों को निर्धारित न्यूनतम वेतन से भी कम वेतन दिए जाते हैं इसलिए हमें विकसित देशों के मोह को छोड़ना चाहिए। उनकी अंदरूनी रोजगार की परिस्थिति को समझना चाहिए। अपने देश में अनौपचारिक रोजगार को बढ़ने देना चाहिए, नुक्कड़ के मोमो बेचने वाले को सम्मान देना चाहिए कि वह स्वरोजगार कर रहा है और सरकार पर मनरेगा का बोझ नहीं डाल रहा है। न्यून स्तर का अनौपचारिक जीवन ही उत्तम है।

# नया साल किताबों के साथ

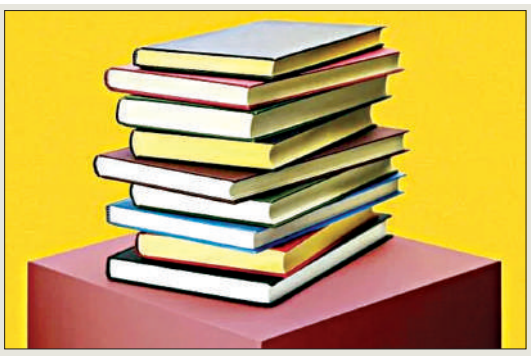

जे. सुशील

हर नये साल में लोग नये लक्ष्य तय करते हैं. कोई व्यायाम करना तय करता है तो कुछ लोग किताबें पढ़ना तय करते हैं अगर समय निकाल पाएं तो किताब पढ़ने के कई तरीके हैं। मसलन, यह तय कर लें कि हर दिन बीस या तीस पन्ने पढ़ना है या हर हफ्ते एक किताब। हर हफ्ते एक किताब पढ़ने की बात भाजपा नेता वरुण गांधी ने भी की है। वे अपनी किताबों की सूची भी ट्विटर पर शेयर कर रहे हैं। हालांकि, उनमें कई किताबें उन लोगों को पढ़ने में दिक्कत होगी, जो पहले से विश्व साहित्य से वाकिफ नहीं हैं। इस साल मेरी सूची में कई ऐसी किताबें हैं, जिन्हें मैं पहले पढ़ चुका हूं और उन किताबों को दोबारा पढ़ने का मन है, विशेषकर सलमान रूश्दी की द मिडनाइट्स चिल्ड्रेन और विक्रम सेठ की ए सुटेबल ब्वॉय।

पहले वे किताबें, जिन्हें हर किसी को पढ़ना चाहिए- रामचंद्र गुहा की इंडिया आफ्टर गांधी। यह भारत की राजनीति को समझने के लिए बेहतरीन पृष्ठभूमि उपलब्ध कराती है। हाल में आयी शेखर पाठक की हरी भरी उम्मीद पर्यावरण और पहाड़ों को समझने के लिए एक जरूरी किताब हो सकती है। अमिताभ घोष की नयी किताब नटमेग्स कर्स एक अभूतपूर्व किताब आयी है, जिसमें जायफल के व्यापार को केंद्र में रख कर यूरोपीय औपनिवेशीकरण की आलोचना की गयी है। इस किताब के लिए गहन शोध किया गया है। पर्यावरण के लिए अमिताभ घोष की किताब द ग्रेट डिरेंजमेंट भी बेहतरीन है। अमेरिका में अंग्रेजी के प्रोफेसर और भारतीय मूल के अमिताभ कुमार की फेक न्यूज पर आयी किताब ए टाइम आउटसाइड टाइम का जिक्र करना भी जरूरी है। यह एक अनूठा उपन्यास है। पिछले साल जिन किताबों को पढ़ते हुए नयी दृष्टि मिली, उनमें सुमना राय की हाउ आइ बिकेम ए ट्री भी उल्लेखनीय है। साथ ही मेरी ऑल टाइम फेवरिट पुस्तक विल डूरेंट की द स्टोरी ऑफ फिलॉसफी भी पढ़ने योग्य है। कहा जाता है कि इस किताब के छपने के बाद दुनियाभर में लोगों को दर्शन विषय में गहरी रुचि पैदा हुई थी।

पिछले कुछ वर्षों में लोकप्रिय हुई युवाल नोवा हारिरी की तीन किताबें होमो सेपियंस, होमो डियस और ट्वेंटी लेसंस फॉर 21 सेंचुरी भी पढ़ी जा सकती हैं अगर आप ये तीनों पढ़ चुके हों तो डेविड ग्रेबर और डेविड वेनग्रो की किताब द डॉन ऑफ एवरीथिंग- ए न्यू हिस्ट्री ऑफ ह्यूमेनिटी पढ़ी जा सकती है। कविताओं में मैंने इस साल तय किया है कि अरुण कोलातकर की कविताएं पढ़ी जाएं, जो मूल रूप से अंग्रेजी और मराठी में लिखा करते थे। कविताओं में टैगोर की गीतांजलि को अवश्य पढ़ा जाना चाहिए अगर नाटकों में रुचि हो तो अमितेश कुमार की हालिया किताब वैकल्पिक विन्यास पठनीय है, जो मेरी सूची में भी है, क्योंकि अमितेश लगातार नाटक पर बहुत सुंदर लिखते रहे हैं।

हिंदी साहित्य में नयी किताबों के बारे में मेरी जानकारी कम है लेकिन अगर आपने शम्सुर्रहमान फारूकी की किताब कई चांद थे सरे आसमां नहीं पढ़ी है, तो उसे जरूर पढ़ा जाना चाहिए। पिछले दिनों मेरे प्रिय ट्रैवल राइटर राकेश तिवारी की पुस्तक आयी जो सत्तर के दशक में उनके अफगानिस्तान प्रवास पर केंद्रित है। इस पुस्तक का नाम है- अफगानिस्तान से खतो खिताबत। ट्रैवलॉग में रुचि हो तो अमृतलाल वेगड़ की नर्मदा यात्रा पर चार खंड में किताबें हैं। साथ में अनिल यादव की वह भी कोई देस है महाराज जो पूर्वोत्तर की यात्रा पर केंद्रित है। हिमालय की यात्रा में दिलचस्पी हो, तो अजय सोडानी की दर्रा-दर्रा हिमालय भी पठनीय है। इस साल जिन किताबों का इंतजार है, उनमें अशोक पांडे की किताब बब्बन कार्बोनेट है। अंतरराष्ट्रीय लेखकों में इस साल जिन किताबों को पढ़ना मेरी सूची में है, उसमें ओल्गा तोकार्चुक की द बुक ऑफ जैकब्स और स्वेतलाना अलेक्सियेविच की चर्नोबिल शामिल है। अंतरराष्ट्रीय लेखकों में इस साल मैं सैमुअल बेकेट को भी पढ़ना चाहूंगा और साथ ही जेम्स जॉयस की कठिन किताब उलिसिस भी, जिसके बारे में गैब्रियल गार्सिया मार्केज ने लिखा था कि ये किताब उन्हें लंबे समय तक समझ में नहीं आयी।

सत्तर के दशक में जब उन्होंने मिलन कुंडेरा को पढ़ा, तब उन्हें उलिसस के बारे में और अधिक समझ में आया। चूंकि, मैं सेंट लुईस शहर में मिसिसिप्पी नदी के किनारे रहता हूं, तो इस साल मेरी सूची में दो किताबें ऐसी हैं, जो स्थानीय विषयों से जुड़ी हैं। पहली- द ब्रोकन हार्ट ऑफ अमेरिका- सेंट लुइस एंड वायलेंट हिस्ट्री ऑफ द यूनाइटेड स्टेट्स। दूसरी किताब मार्क ट्वेन की द लाइफ ऑन द मिसिसिप्पी। आप इसी तर्ज पर अपने शहर या राज्य के इतिहास से जुड़ी किताबें चुन सकते हैं। झारखंड के लोगों को रामदयाल मुंडा लिखित किताब आदि धर्म पढ़नी चाहिए या फिर किसी और स्थानीय लेखक की कोई पुस्तक। बिहार के लोग भी यही कर सकते हैं अगर हिंदी के ये उपन्यास आपने अब तक नहीं पढ़े हों, तो ज़रूर पढ़ें। फणीश्वरनाथ रेणु के मैला आंचल और परती परीकथा, जैनेंद्र कुमार का त्यागपत्र, धर्मवीर भारती का सूरज का सातवां घोड़ा, राही मासूम रजा का आधा गांव, यशपाल का झूठा सच, श्रीलाल शुक्ल का राग दरबारी, अज्ञेय का शेखर एक जीवनी, भगवतीचरण वर्मा का चित्रलेखा, भीष्म साहनी का तमस, कृष्णा सोबती का जिंदगीनामा, मन्नू भंडारी का महाभोज और आपका बंटी पढ़ा जाने वाले उपन्यास हैं। ये किताबे ही है जो व्यक्ति को नया जीवन दर्शन बताती है और सर्वथा एक नयी दृष्टि भी प्रदान करती हैं।

## दान-पुण्य और पूजा-पाठ का त्यौहार है

# मकर संक्रांति

मकर संक्रांति के त्यौहार पर गंगा स्नान, दान-पुण्य, जप और पूजा-पाठ का विशेष महत्व होता है। मकर संक्रांति पर सूर्य धनु राशि को छोड़ते हुए अपने पुत्र शनि की राशि मकर में प्रवेश कर जाते हैं। इस दिन से सूर्यदेव की यात्रा दक्षिणायन से उत्तरायण दिशा की ओर होने लगती है। दिन लंबे और राते छोटी होने आरंभ हो जाती है। इस वर्ष सूर्य का मकर राशि में परिवर्तन को लेकर पंचांग में भेद है जिस वजह से मकर संक्रांति का त्योहार दो दिन यानी 14 और 15 जनवरी को मनाया जाएगा। आइए जानते हैं मकर संक्रांति पर क्या कहता है पंचांग।

## सूर्य के राशि परिवर्तन के समय में भेद

देश के कई क्षेत्रों में अलग-अलग पंचांग गणना करने का विधान है। ऐसे में सूर्य के राशि परिवर्तन को लेकर भेद होने के कारण ही मकर संक्रांति को लेकर भी दो मत है। कोलकाता से निकलने वाले राष्ट्रीय पंचांग के अनुसार सूर्य का मकर राशि में परिवर्तन

14 जनवरी को दोपहर 02 बजकर 30 मिनट होगा। इस कारण से मकर संक्रांति का पर्व शुक्रवार के दिन ही मनाया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ वाराणसी, उज्जैन, पुरी और तिरुपति से प्रकाशित होने वाले पंचांग के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन 14 जनवरी की रात करीब 08 बजे होगा। सूर्यास्त होने के बाद सूर्य का मकर राशि में परिवर्तन होगा इस वजह से मकर संक्रांति 15 जनवरी, शनिवार के दिन मनाई जाएगी।

## गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व

मकर संक्रांति पर सुबह-सुबह गंगा स्नान करने और गरीबों व जरुरतमंदों तिल, खिचड़ी और कपड़े का दान करना चाहिए। मान्यता है कि मकर संक्रांति पर तिल का दान करने से शनि दोष से मुक्ति मिल जाती है और नहाने के बाद सूर्य को जल अर्पित करने से सूर्यदेव की कृपा प्राप्त होती है।

## खरमास होगा खत्म शुरू होंगे शुभ कार्य

सूर्य जब धनु राशि में यात्रा करते हैं तो उस समय खरमास लग जाता है ऐसे में इस दौरान शुभ कार्य करना वर्जित हो जाता है। ऐसे में सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही सभी तरह के मांगलिक कार्यों की शुरुआत दोबारा से होने लगेगी। खरमास के खत्म होते है शादी, मुंडन संस्कार और गृह प्रवेश जैसे मांगलिक कार्य प्रारंभ होने लगते हैं।

## पतंग महोत्सव

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मकर संक्रांति के पर्व को खिचड़ी, पोंगल, उत्तरायण आदि अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। हालांकि, यह पर्व पतंग महोत्सव के रूप में भी व्यापक रूप से मनाया जाता है। कहा जाता है कि सर्दियों के दौरान, सूरज की रोशनी द्वारा विभिन्न लाभ प्राप्त होने के कारण, यह हमारे शरीर के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है और धूप में मौजूद विटामिन डी त्वचा की मदद करता है और सूरज की किरणें कीटाणुओं को खत्म करती हैं। इस कारण, इस दिन सुबह के कुछ घंटे पतंग उड़ाने में व्यतीत किए जाते हैं इसलिए इस दिन को काइट फेस्टिवल के नाम से भी जाना जाता है, जो हमारे शरीर के लिए बहुत अच्छा होता है। भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उत्तरायण के छह माह बहुत ही समृद्ध शाली होते है; सूर्यदेव के उत्तरायण का सामना करने से पृथ्वी प्रकाशमान रहती है। इस अवधि के दौरान, शरीर त्यागने पर पुनर्जन्म से मुक्ति होती है और ब्रह्म की प्राप्ति होती है। यही कारण है कि भीष्म पितामह ने सूर्य के अस्त होने तक अपना शरीर नहीं त्यागा था।

## कहानी | एकता की शक्ति

एक बहेलिया जंगल में पक्षियों को पकड़ने के लिए गया और पक्षियों को पकड़ने के लिए अपने जाल फैलाकर उस पर चावल के दाने बिखेर कर जंगल की झाड़ियो में छुप गया इतने में झुण्ड में जाते हुए कबूतरों को जंगल में चावल के दाने दिखे तो उन सभी के मुह में पानी भर आया और चावल के दाने चुगने के लिए सभी नीचे उतरे तो उनमे मौजूद एक बुद्धिमान कबूतर को कुछ शक हुआ कि भला जंगल में असे चावल के दाने कहा से आ गये हो न हो इसमें कोई धोखा हो सकता है उसके मना करने के बावजूद सभी कबूतर दाना चुगने लगे और इस तरह सभी कबूतर शिकारी द्वारा फैलाये जाल में फस गये और सभी उड़ने की कोशिश करने लगे लेकिन वे सभी असफल रहे तो बुद्धिमान कबूतर बोला दोस्तों अगर हम सभी एक साथ पूरे शक्ति लगाकर उड़े तो निश्चित ही हम सभी इस जाल को लेकर उड़ सकते है। इसके बाद उन कबूतरों ने एक साथ पूरे ताकत से उ?ने लगे जिससे वे फसे हुए जाल को लेकर उड़ने लगे लेकिन पास में छिपा बहेलिया भी उनके पीछे दौड़ा लेकिन कबूतरों की एकता की शक्ति के पीछे वह असफल रहा और उन कबूतरों को पकड़ नही पाया फिर उन कबूतरों ने अपने मित्र मूषकराज के पास पहुच जाल काटने के बाद एक बार फिर से आजाद हो गये इस प्रकार उनके एकता की ताकत उन्हें बहेलिया के कैद में होने से बचा लिया।

**कहानी से शिक्षा: अगर हम सब एक साथ मिलकर रहे तो हमारी एकता की ताकत के आगे बड़े से बड़े मुसीबत का सामना आसानी से कर सकते है।**

## 7 अंतर खोजें

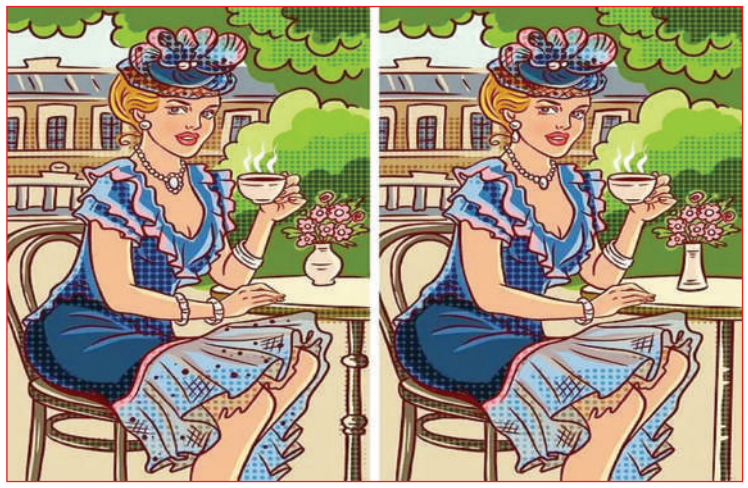

## हंसना मना है

जज: तुम्हारा जुर्म साबित हो चुका है इसलिए तुम्हें कल फांसी पर चढ़ाया जाएगा। मुजरिम (बनिया ): वो सब तो ठीक है, लेकिन उतारा कब जाएगा। दुकान भी तो खोलनी है।

टीचर: एक टोकरी में 10 आम थे उनमे से 3 आम सड़ गए तो कितने बचे? विद्यार्थी: 10 टीचर: अरे मूर्ख 10 कैसे बचेंगे ? विद्यार्थी: सड़े हुए आम कहां जाएंगे , सड़ने से केले थोड़ी बन जाएंगे।

संता: मैंने सुना है तुम्हारी शादी तय हो गई है और वह भी काफी छोटे कद की लड़की से और तो और तुमने उसे पसंद भी कर लिया है? बंता: हां यार, जीवन में मुसीबत जितनी छोटी हो उतना ही अच्छा है।

टीचर: सौरमंडल के ग्रहों के नाम बताओ। विद्यार्थी: बुध, मंगल, बृहस्पति। टीचर: और बताओ? विद्यार्थी : और सब बढ़िया है , माता रानी की कृपा है।

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आज का दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में थोड़ा निराशा महसूस कर सकते हैं। सिद्धान्तों पर डटे रहेंगे और कार्यक्षेत्र में अपनी शर्तों पर काम करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ मनमुटाव हो सकते हैं।

**वृषभ**

कारोबार में धन लाभ की संभावना है। सामाजिक क्षेत्र में नौकरी व्यवसाय में लाभ मिलेगा। परिवार में खुशियों भरा माहौल रहेगा, लेकिन परिजन किसी तनावपूर्ण स्थिति में डाल सकते हैं।

**मिथुन**

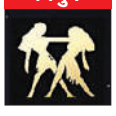

जरूरी काम बनने से लाभदायक अवसरों की प्राप्ति होगी। रुका हुआ धन हाथ लगेगा। अच्छी खबर भी मिलने के योग हैं। उच्च पदाधिकारी और बुजुर्ग वर्ग की कृपादृष्टि रहेगी।

**कर्क**

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम का प्रेशर बढ़ेगा। सूझ-बूझ से काम लेंगे, तो तनाव में कमी आएगी। कहीं घूमने जाने की योजना बना सकते हैं। प्रतिस्पर्धी सिर उठा सकते हैं।

**सिंह**

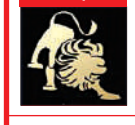

आज का दिन आध्यात्मिक दृष्टि से अनोखी अनुभूति कराने वाला साबित हो सकता है। नए कार्य की शुरुआत के लिए शुभ समय नहीं है। मेहनत करने से काम जल्दी पूरा करेंगे।

**कन्या**

आज का दिन अच्छा रहेगा। परिश्रम से सफलता मिलेगी और उत्साह व ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विकास कार्यों में सफलता मिलेगी, ऑफिस में अधिकारी सहयोग करेंगे।

**तुला**

कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। इस खबर से कोई बड़ी समस्या समाप्त हो सकती है। कार्य में सफलता और यश एवं कीर्ति प्राप्त होने की संभावना रहेगी। आज खर्च बढ़ेंगे।

**वृश्चिक**

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा, मगर लेन-देन में सावधानी रखें। परिजनों से विवाद हो सकता है। इसलिए सतर्क रहने की जरूरत है।

**धनु**

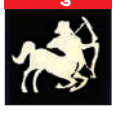

कार्यों में सफलता से मनोबल में वृद्धि होगी। धनलाभ और प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। जमीन, मकान, वाहन आदि में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। अपना काम स्वयं ही निपटाएं।

**मकर**

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। राजनीतिक क्षेत्र में उन्नति होगी, ठोस संगठन से जुड़ने के योग हैं। खुद को मानसिक रूप से शांत महसूस करेंगे और दुनिया के शोर-शराबे से दूर रहेंगे।

**कुम्भ**

आज का दिन मिला-जुला रहेगा। आर्थिक लाभ की संभावना है। अपने प्रयासों से अर्थ क्षेत्र में सुधार आएगा। व्यवहार उदार रहेगा, व्यावसायिक योजना फलीभूत होंगी। नए कार्य का प्रारंभ न करें।

**मीन**

संपत्ति संबंधी कार्य बनेंगे, कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ सहयोग करेंगे। शारीरिक और मानसिक प्रसन्नता रहेगी। कोई शुभ समाचार मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

# पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगे विक्की-कैटरीना

फरहान अख्तर अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट फिल्म जी ले जरा की तैयारी कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, फरहान अख्तर ने इस फिल्म के लिए बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेज को फाइनल किया है। फिल्म जी ले जरा में आलिया भट्ट, कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा एक साथ नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए दर्शकों को एंटरटेनमेंट का बड़ा पैकेज मिलने वाला है। लेकिन इस फिल्म के जरिए फैंस को एक और सरप्राइज मिल सकता है। हाल ही में यह खबर आई है कि इस फिल्म में कैटरीना कैफ के ऑपोजिट उनके पति विक्की कौशल को फीचर किया जा सकता है। फिल्म जी ले जरा के लिए मेकर्स ने विक्की कौशल को अप्रोच किया है। बॉलीवुड हंगामा की एक खबर के अनुसार, सूत्र ने बताया कि इस फिल्म के मेकर्स ने विक्की कौशल को अप्रोच किया है। अगर इस फिल्म के लिए विक्की कौशल हां कर देंगे तो यह फिल्म विक्की कौशल और कैटरीना कैफ की पहली फिल्म होगी जिसमें यह दोनों

साथ नजर आएंगे। सूत्र ने बताया कि यह प्रोजेक्ट एक मार्केट ड्रीम है और विक्की कौशल के आ जाने से इस फिल्म का प्रमोशन और भी आसान हो जाएगा। सूत्र ने बताया कि विक्की कौशल के साथ फरहान अख्तर खुद को इस फिल्म में कास्ट करने वाले हैं। अगर विक्की कौशल भी इस फिल्म के लिए हां कर देंगे तो सिर्फ एक मेल एक्टर के लिए जगह बच जाएगी। ऐसे में एक और एक्टर को कास्ट करना आसान हो जाएगा। फिलहाल विक्की कौशल ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी नहीं भरी है। यह एक रोड ट्रिप मूवी है जिसकी कहानी इस फिल्म की तीनों मुख्य अदाकारा के इर्द-गिर्द घूमेगी।

बॉलीवुड | मसाला

# महामारी के बीच राम सेतु शूट करेंगे अक्षय कुमार

अक्षय कुमार भारत के सबसे बिजी एक्टर हैं। उनके पास कोरोना वायरस महामारी के बीच भी काम हैं। पहली लहर के दौरान, अक्षय कुमार ने 200 से ज्यादा कलाकारों और क्रू मेंबर्स के साथ 'बेल बॉटम' को एक ही शेड्यूल पूरा किया। इसकी शूटिंग ब्रिटेन में की गई थी. 'बेल बॉटम' कोरोना की दूसरी लहर के दौरान सिनेमाघरों में हिट होने वाली पहली फिल्म भी बनी थी। वो भी उस वक्त जब सिनेमाघर 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खुले थे या फिर कई राज्यों में बंद थे। अक्षय कुमार ने पिछले कुछ महीनों में 'पृथ्वीराज', 'रक्षा बंधन', 'राम सेतु', 'बच्चन पांडे' और 'मिशन सिंड्रेला' समेत अपनी कई फिल्मों की शूटिंग पूरी की है।

बॉलीवुड | गपशप

उनकी फिल्म 'सूर्यवंशी' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली 2021 की पहली सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 231 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. अब देश जब कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट के संक्रमण के चलते तीसरी लहर से गुजर रहा है। इसी बीच अक्षय ने 'राम सेतु' के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग को पूरा करने का फैसला किया है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि राम सेतु की शूटिंग में करीब एक महीने का समय बचा है जिसे मेकर्स ने मुंबई में खत्म करने का फैसला किया ह। प्रोडक्शन टीम फिलहाल पूरा शेड्यूल सेट कर रही है और यह इंडोर और आउटडोर शूट होगा। टीम को उम्मीद है कि इस महीने के आखिरी तक फिल्म की शूटिंग पूरी शुरू हो जाएगी। जैकलीन फर्नांडीज और नुसरत भरुचा समेत अन्य कलाकारों ने नवंबर में फिल्म ऊटी शेड्यूल पूरा किया है।

बॉलीवुड | मन की बात

# सपाट पेट की चाहत में खाना बंद कर दिया : निया शर्मा

टेलीविजन अभिनेत्री निया शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह इंस्टाग्राम पर अपनी बोल्ड तस्वीरें भी शेयर करती रहती हैं, जिसके लिए कई बार यूजर्स उनको ट्रोल भी करते हैं। अब उनका कहना है कि जब उनके शरीर की बात आती है, तो उनके पास बहुत सारे मुद्दे होते हैं और अभी भी उनसे निपट रही हैं। निया शर्मा ने यह भी कहा कि किस तरह से वह खुद को एक निश्चित तरीके से देखने के लिए भूखा भी रहती हैं। निया ने यह सब बातें अपने इंटरव्यू में कही हैं। निया शर्मा ने अपने इंटरव्यू में कहा कि उन्हें पेट फूलने की प्रवृत्ति है और इस बात के लिए शांति बनाये रखने में काफी वक्त लगता है कि उनका पेट हर वक्त सपाट नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि वह अपने शरीर के मुद्दों पर टूट जाती हैं यानी कि परेशान हो उठती हैं। आरजे सिद्धार्थ कन्नन के साथ अपने एक इंटरव्यू में निया ने कहा कि उन्हें अपने शरीर से कभी नफरत नहीं थी, पर वह कई मुद्दों से जूझती हैं। उन्होंने कहा, मैंने खाना बंद कर दिया, यार। जब मैं कहती हूं कि मैंने खाना बंद कर दिया है, तो यह आहार के बारे में भी नहीं है। मैं भूखी सोती थी, मैं भूखी जागती थी, मैं भूखी जिम जाती थी। उन्होंने कहा, मुझे भूख भी नहीं लगेगी, क्योंकि मैंने अपनी भूख खो दी थी। मैं बस उस गाने में इतनी मेहनत करना चाहती थी, बस अपने पेट को देख रही थी। निया ने कहा एक बहुत ही औसत दिखने वाली लड़की हूं और मैं इसे स्वीकार करती हूं। नफरत एक बहुत मजबूत शब्द है, ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे मैं अपने शरीर में बदलना चाहूंगी।

# जंगल में 6 शेरनियों को पालतू कुत्तों की तरह घुमाती दिखी महिला

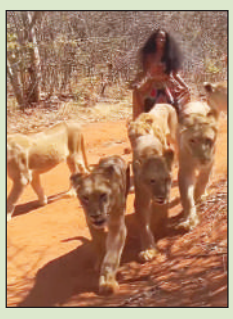

सोशल मीडिया पर कई तरह के वीडियोज वायरल होते हैं। जंगली जानवरों और पेट्स के वीडियोज भी लोगों को काफी पसंद आते हैं। वहीं कुछ वीडियोज ऐसे भी होते हैं, जिनको देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखकर हर कोई हैरान हो रहा है। इस वीडियो में एक लड़की एक दो नहीं, बल्कि 6 शेरनियों के साथ जंगल में घूमती हुई नजर आ रही है। मजे की बात यह है कि शेरनियां उस लड़की के साथ ऐसे चल रही हैं, जैसे कि वे उस लड़की की पालतू हों। वीडियो में दिखाई दे रही लड़की को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे वह अपनी जान की बाजी रहा ही है। वीडियो में एक लड़की 6 शेरनियों को जंगल में घुमाती नजर आ रही हैं। शेरनियां भी उसके साथ ऐसे घूम रही हैं, जैसे वह कोई उसके पालतू कुत्ते हों। वीडियो को देखकर कई लोग इस महिला की हिम्मत की दाद दे रहे हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया गया यह वीडियो कुछ ही सेकेंड्स का है। इस वीडियो को जंगल में शूट किया गया है। मजे की बात यह है कि न तो शेरनियां उस महिला पर अटैक कर रही हैं और न ही वीडियो शूट करने वाले को कोई नुकसान पहुंचाया। बताया जा रहा है कि इस महिला की शेरनियों से दोस्ती है। वीडियो में नजर आ रही महिला के चेहरे पर कोई डर नजर नहीं आ रहा है। वह आराम से उनके साथ घूमती हुई आगे बढ़ रही है। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर सफारीगैलेरी नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। वीडियो पोस्ट करते हुए इसके कैप्शन में लिखा लाइफ में कभी न कभी उस काम को जरूर करें, जो आपको डराता है। तो क्या आप ये आजमाना चाहेंगे? यह वीडियो वायरल हो रहा है और यूजर्स इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रियांए भी दे रहे हैं। ज्यादातर लोग इस बात को लेकर हैरान हैं कि आखिर शेरनियां महिला पर अटैक क्यों नहीं कर रहीं? कुछ यूजर्स ने लिखा है कि इनके पास नाखून और दांत नहीं होंगे। वहीं कुछ लोगों ने इस वीडियो के ओरिजनल होने पर संदेह जताया है।

अजब-गजब | आज तक कोई नहीं जान पाया इनका रहस्य

# इस मंदिर में सदियों से जल रही हैं रहस्यमयी 9 ज्वाला

हमारे देश में हजारों मंदिर हैं, इनमें से कुछ मंदिर बहुत पुराने और ऐतिहासिक हैं, जिनमें में से कुछ रहस्यमयी है क्योंकि इन मंदिरों में सैकड़ों साल से ऐसे चमत्कार हो रहे हैं जिनके बारे में आजतक कोई नहीं जान पाया। आज हम आपको अपने देश के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां एक नहीं बल्कि नौ ज्वालाएं बिना किसी तेल या सहारे के रहस्यमयी तरीके से जल रही हैं. कई बार वैज्ञानिकों ने इसके रहस्य के बारे में जानने की कोशिश की लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिल पाई। दरअसल, हम बात कर रहे हैं हिमाचल प्रदेश के कांगडा में स्थित ज्वाला देवी मंदिर की। ये मंदिर देशभर में काफी प्रसिद्ध है. जिसे मां भगवती के 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। इस मंदिर को जोता वाली मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। प्रचलित मान्यताओं के मुताबिक, इस स्थान पर माता सती की जीभ गिरी थी। जहां मां भगवती यहां ज्वाला के रूप में विराजमान हैं। इस मंदिर की विशेषता यह है कि यहां पर मां भगवती की कोई मूर्ति या प्रतिमा स्थापित नहीं है, बल्कि इस धाम पर पृथ्वी के गर्भ से

निकलने वाली 9 ज्वालाओं की पूजा की जाती है। इससे भी हैरान करने वाली बात यह है कि ज्वाला देवी मंदिर में सदियों से जलती आ रही ज्वाला रहस्यमय तरीके से जल रही है। जिसके रहस्य के बारे में आज तक कोई पता नहीं लगा पाया। हालांकि कई भू-वैज्ञानिकों ने इस रहस्य से पर्दा हटाने के लिए कई बार कई किलोमीटर तक खुदाई की गई, बावजूद इसके रहस्य का पता नहीं लग सका। बता दें कि इस मंदिर में बिना तेल और बाती के नौ ज्वालाएं सदियों से लगातार जल रही हैं, ये सभी ज्वालाएं माता के 9 स्वरूपों का प्रतीक हैं। मंदिर में जलने वाली सबसे बड़ी ज्वाला को माता ज्वाला के तौर पर पूजा जाता है, जबकि अन्य 8 ज्वालाओं के रूप में मां अन्नपूर्णा, मां विंध्यवासिनी, मां चंडी, मां महालक्ष्मी, मां हिंगलाज, मां सरस्वती और मां अंबिका देवी और मां अंजी की उपासना की जाती ह।

# इंटरनेट मीडिया पर भ्रामक सूचना दी तो खैर नहीं, निगरानी शुरू

» लखनऊ में डीजीपी मुख्यालय में चुनाव प्रकोष्ठ नियंत्रण कक्ष बना

» आपत्तिजनक पोस्ट पर तत्काल होगी कड़ी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब इंटरनेट मीडिया पर भ्रामक सूचना देने वालों की खैर नहीं है। इसकी निगरानी के साथ डीजीपी मुख्यालय में चुनाव प्रकोष्ठ नियंत्रण कक्ष स्थापित हो गया है। नियंत्रण कक्ष के जरिये चुनाव आयोग व जिलों की पुलिस के साथ समन्वय बनाकर सुरक्षा-व्यवस्था सुनिश्चित कराई जायेगी।

एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि चुनाव के दौरान किसी भी भ्रामक सूचना अथवा किसी फर्जी खबर का खंडन फैक्ट चेक ट्विटर हैंडल @ UPPViralCheck के जरिये किया जायेगा। इसके लिए अलग टीम का गठन किया गया है। साथ ही इंटरनेट मीडिया के सभी प्लेटफार्म पर 24 घंटे निगरानी शुरू करा दी गई है। यूपी पुलिस ने 27 सितंबर, 2021 को अपना टेलीग्राम चैनल लांच किया था, जिसमें 17 हजार से अधिक लोग जुड़ चुके हैं। किसी भी

माध्यम से आपसी तनाव पैदा करने वाली अथवा अन्य किसी भ्रामक व आपत्तिजनक पोस्ट पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही सी-प्लान एप के जरिये हर गांव में 10 संभ्रांत नागरिकों को जोड़कर फर्जी खबरों का खंडन किये जाने का अलग तंत्र भी विकसित किया गया है। एडीजी का कहना है कि चुनाव आयोग के सी विजिल एप के जरिये डीजीपी मुख्यालय को प्राप्त होने वाली हर सूचना को तत्काल संबंधित जिले के अधिकारियों को दिया जायेगा और आकस्मिक स्थिति में यूपी 11 की पीआरवी को अलर्ट किया जायेगा।

## सीमा पर 576 बैरियर 24 घंटे होगी चेकिंग

एडीजी ने बताया कि नेपाल सीमा पर प्रदेश के सात जिलों के 14 विधान सभा क्षेत्र तथा नौ सीमावर्ती राज्यों की सीमा पर 30 जिलों के 74 विधान सभा क्षेत्र आते हैं। नेपाल सीमा पर निगरानी के लिए 107 तथा सीमावर्ती राज्यों के बार्डर पर 469 बैरियर स्थापित किये गये हैं। सभी पर तीन पालियों में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाकर 24 घंटे चेकिंग के निर्देश दिये गये हैं। सभी बैरियर पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाये गये हैं। संदिग्ध व्यक्तियों, शराब व मादक पदार्थ तस्करों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। एडीजी के अनुसार प्रारंभिक स्तर पर 17 जिलों के 33 विधान सभा क्षेत्रों को संवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है और वहां सुरक्षा के अतिरिक्त बंदोबस्त किये जा रहे हैं। प्रदेश में 29138 मतदेय स्थल संवेदनशील की श्रेणी में रखे गये हैं।

## प्रदेश में कोरोना का कहर

# पांच सौ से अधिक पुलिसकर्मी चपेट में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ने लगा है। अब तक 500 से अधिक पुलिसकर्मी कोरोना संक्रमित हैं, जिनमें जिला पुलिस में तैनात लगभग 340 कर्मी भी शामिल हैं। कई आईपीएस अधिकारी भी कोरोना संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं।

**डीजीपी समेत 760 लोगों ने ली सतर्कता डोज**

**कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने के निर्देश**

बढ़ते संक्रमण को देखते हुए डीजीपी मुकुल गोयल ने पुलिसकर्मियों को कोविड प्रोटाकाल का पूरी सख्ती से अनुपालन करने के कड़े निर्देश दिए हैं। डीजीपी व एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को कोरोना की सर्तकता (प्रिकाशन) डोज लगवाकर अधीनस्थों को सुरक्षा का संदेश भी दिया। विभिन्न जिलों में तैनात पुलिसकर्मियों के अलावा लगभग 90 पीएसी कर्मी भी कोरोना संक्रमण की चपेट में हैं। संक्रमितों में जीआरपी, सुरक्षा मुख्यालय व अन्य शाखाओं में तैनात पुलिसकर्मियों के अलावा एटीएस के कमांडो भी शामिल हैं। कोरोना संक्रमण से पूर्व में 184 पुलिसकर्मियों की जान भी जा चुकी है। ऐसे में पुलिस लाइन से लेकर थाना व हर कार्यालय में साफ-सफाई के साथ कोविड नियमों का पूरी सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया है। डीजीपी मुख्यालय में बुधवार को लगभग 760 पुलिसकर्मियों को सतर्कता डोज लगाई गई। इनमें डीजी पावर कारपोरेशन एसएन साबत, डीजी एसआइटी रेणुका मिश्रा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं।

# कांग्रेस सरकार पर बरसे केजरीवाल बोले पंजाब की कानून-व्यवस्था बदहाल

» आप की सरकार बनी तो सबको देंगे सुरक्षा, कांग्रेस-अकाली दल में मिलीभगत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मोहाली। दो दिवसीय पंजाब दौरे पर बुधवार को मोहाली पहुंचे आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कानून-व्यवस्था के मामले में पंजाब की कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ समय से पंजाब की कानून-व्यवस्था का बुरा हाल हो चुका है। बेअदबी की घटनाएं बढ़ीं हैं, लुधियाना अदालत में धमाका हुआ। सरकार दोषियों के साथ मिली हुई है। आप की सरकार पंजाब में आने पर आम आदमी से लेकर प्रधानमंत्री तक को सुरक्षा मिलेगी। पंजाब में अमन शांति की व्यवस्था होगी।

नशे के मामले में बिक्रम सिंह मजीठिया से माफी मांगने के सवाल पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री

चरणजीत सिंह चन्नी आजकल सब जगह प्रचार कर रहे है। मैंने बिक्रम सिंह मजीठिया को गिरफ्तार करने से तो सीएम चन्नी को नहीं रोका था। उन्होंने कि सब लोग जानते हैं अकाली और कांग्रेस वाले आपस मे मिले हैं। एक व्यक्ति पर पहले फर्जी एफआआई दर्ज कर दी। केस दर्ज होने होने के बाद उसकी अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद वह भी खुले में घूम रहा था जबकि उनके गृहमंत्री कह रहे थे कि वह मिल नहीं रहा है।

# बूथ पर तीन बार होगी थर्मल स्कैनिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। कोरोना संक्रमण के मद्देनजर चुनाव आयोग की ओर से कई व्यवस्थाएं बनाई गई हैं। कोविड पॉजिटिव मतदाता को जहां पोस्टल बैलेट की सुविधा दी गई है वहीं मतदान केंद्र तक आने वाले संदिग्ध मतदाताओं के लिए भी व्यवस्था की गई है। बूथ पर थर्मल स्कैनिंग के दौरान जिस मतदाता में बुखार की पुष्टि होगी, उसे टोकन जारी किया जाएगा और आखिरी घंटे यानी शाम पांच से छह बजे के बीच मतदान का अवसर दिया जाएगा।

इस बार सभी बूथों पर कोविड हेल्प डेस्क बनाया जाएगा। मतदान के लिए आने वाले हर व्यक्ति की थर्मल स्कैनिंग की जाएगी। पहली बार स्कैनिंग में यदि तापमान कुछ बढ़ा मिला तो थोड़ी-थोड़ी देर पर दो बार और जांच की जाएगी। उस मतदाता को अन्य मतदाताओं के साथ वोट देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

# पंजाब कांग्रेस में कलह जारी निशाने पर मुख्यमंत्री चन्नी

» कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी बोले चन्नी की तरह न हो अगला सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। श्री आनंदपुर साहिब से कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब को एक ऐसे नेता की जरूरत है, जिसके पास चुनौतियों का समाधान हो और जो कड़े फैसले ले सके।

तिवारी ने ट्विटर पर लिखा कि पंजाब को एक ऐसे सीएम की जरूरत है जिसके पास पंजाब की चुनौतियों का समाधान हो, कड़े फैसले लेने की क्षमता हो। पंजाब को ऐसे गंभीर लोगों की जरूरत है जिनकी राजनीति सोशल इंजीनियरिंग न हो और मनोरंजन व मुफ्त बांटने में ध्यान न हो, जिसे लोगों ने लगातार चुनावों में नकार दिया है।

मनीष तिवारी ने ट्वीट में एक न्यूज लिंक भी साझा किया है। जिसके मुताबिक पंजाब के सीएम चन्नी ने हाईकमान को इशारा किया है कि वह लोकप्रिय हैं और उन्हें सीएम चेहरा घोषित करना चाहिए। मनीष तिवारी जी-23 के नेताओं की सूची में शामिल हैं, जिन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर संगठनात्मक बदलाव की मांग की थी। पंजाब में कांग्रेस ने इस बार सीएम चेहरे के बिना ही चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

# मुठभेड़ में पाक आतंकी बाबर ढेर, पुलिस का जवान शहीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कश्मीर संभाग के कुलगाम में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच शुरू हुई मुठभेड़ आज सुबह तक चली। इसमें पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकी मारा गया है जिसकी पहचान बाबर के रूप में हुई है। वह पाकिस्तान का रहना वाला था। आतंकी के पास से एक एके-47 राइफल, एक पिस्टल और दो ग्रेनेड बरामद हुए हैं। मुठभेड़ में पुलिस का एक जवान शहीद हुआ है। साथ ही सेना के तीन जवान और दो नागरिक घायल हुए हैं।

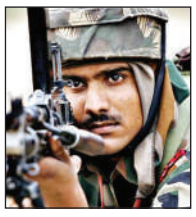

पुलिस को परीवान इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर सुरक्षाबलों की टीम ने तलाशी अभियान शुरू किया। घेरा सख्त होता देख आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई। जिसमें जवानों ने जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी बाबर को मार गिराया। कश्मीर जोन के आईजी विजय कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में पाकिस्तानी आतंकी बाबर मारा गया है, जिसके पास से हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ है। पुलिस का एक जवान शहीद हो गया है। सेना के तीन जवान और दो नागरिक घायल हुए हैं जिनका इलाज चल रहा है। नागरिकों को मामूली चोटें आई हैं।

# तो टिकट बंटवारे में नहीं चल रही योगी की!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» योगी सरकार से नाराज हैं पिछड़े

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

लखनऊ। यूपी में सियासी पारा चढ़ गया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की मेहनत पर पानी फेर दिया। भाजपा ने पिछड़ी-अतिपिछड़ी जातियों का समीकरण बनाकर सफलता पायी थी। सीएम योगी के काम से पिछड़ी जातियां नाराज हैं। वहीं दिल्ली में भाजपा टिकट पर मंथन कर रही है। योगी आदित्यनाथ के समर्थकों को टिकट नहीं देने की चर्चा भी गर्म है। सवाल यह है कि टिकट बंटवारे में किसकी चलेगी सुनील बंसल या योगी आदित्यनाथ की? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल, अमलेंदु उपाध्याय, रंजीव, अजय शुक्ला, लेखक रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

अमलेंदु उपाध्याय ने कहा, योगी आदित्यनाथ ने भाजपा की मेहनत पर पानी फेर दिया है। अब प्रदेश में भाजपा वापस नहीं आ रही है। रही सही कसर भाजपा के विधायकों के इस्तीफों की झड़ी से पूरी कर दी है। योगी संगठन के नहीं है। लिहाजा संगठन ही टिकट फाइनल करेगा। रंजीव ने कहा, इस्तीफा देने वाले पिछड़ी जातियों के नेता लगातार इस्तीफा दे रहे हैं। वे अपमान के कारण ऐसा कर रहे हैं। केशव मौर्य भी बहती गंगा में हाथ धो रहे हैं और अपने अपमान का हिसाब ले रहे हैं। अजय शुक्ला ने कहा, भाजपा सरकार से जनता नाराज है। हालात बदतर हो चुके हैं। योगी-मोदी की सरकार में हर आदमी का हक मारा गया है। राजेश बादल ने कहा, योगी ने जब सत्ता संभाली तो वे जानते थे कि वे मोदी की पहली पंसद नहीं है। फिलहाल योगी ने अपना काम कर दिया है। अब तय है कि भाजपा वापस नहीं आएगी। रविकांत ने कहा, प्रदेश में पिछड़ों में बहुत नाराजगी है। इसके कारण ही पिछड़े जातियों के भाजपा के विधायक और मंत्री इस्तीफा दे रहे हैं।

**परिचर्चा**
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

# वाहनों में झंडा लगाकर भाजपा नेता ही उड़ा रहे हैं चुनाव आचार संहिता की धज्जियां

## इलाहाबाद में खुलेआम हो रहा उल्लंघन

प्रयागराज (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। वहीं भाजपा नेता खुलेआम आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रहे हैं। प्रयागराज प्रयागराज जिले में पांचवें चरण में मतदान होना है, जिसको लेकर पुलिस प्रशासन ने सख्ती बरतना शुरू कर दी है, तो वही प्रयागराज के सबसे पॉश इलाके सिविल लाइंस की सड़कों पर खुलेआम भाजपा नेता अपनी लग्जरी गाड़ियों में झंडा बैनर पोस्टर लगाकर आचार संहिता की धज्जिया उड़ा रहे हैं। वाहन संख्या यूपी 70 ईएस 4141 में आलोक कुमार पाण्डेय का बैनर व झंडा लगा है। जबकि सीबी 2250 हाईकोर्ट लिखा वाहन में भी बीजेपी का झंडा लगा है। विपक्ष ने इसे आचार संहिता का खुला उल्लंघन बताया है। इस बारे में एसएसपी अजय कुमार ने बताया कि कोई भी व्यक्ति हो जो भी आचार संहिता का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# आंदोलन के आंसू बेकार नहीं जाएंगे, चुनाव में किसान देंगे भाजपा को झटका : अखिलेश

### » राज्य की जनता भाजपा से ऊब चुकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि लोकतांत्रिक, समाजवादी और सामाजिक सद्भाव की पक्षधर ताकतों को एक साथ जोड़ रहे हैं। राज्य की जनता भाजपा से ऊब चुकी है। गठबंधन विकास, सद्भाव और न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा की बांटने और अपमान करने वाली राजनीति के खिलाफ सबको सम्मान देने वाली राजनीति का इंकलाब होगा।

अखिलेश यादव ने कहा कि 2022 में राजनीति की बड़ी लड़ाई लड़ी जानी है। यह लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। सामाजिक न्याय की पक्षधरता के साथ आरक्षण विरोधी ताकतों का प्रतिरोध करना है। उन्होंने कहा भाजपा ने किसानों को धोखा दिया है। 700 से ज्यादा किसानों की मौत हो चुकी है। तीन काले कृषि कानूनों को जनमत के दबाव में वापस लेने के बावजूद भाजपा की नीयत में अभी भी खोट है। नौजवानों को भाजपा ने बेरोजगारी के दलदल में धकेल दिया है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में लिखे एक भी वादा को पूरा नहीं किया है। यादव ने कहा कि भाजपा का एजेंडा कुछ ऐसा है कि जनता के हित में कोई काम नहीं होने पाए। भाजपा ने प्रदेश में विकास, कानून व्यवस्था और इलाज-पढ़ाई की तबाही की हैं। जनता उसके खिलाफ अब सन् 2022 के चुनाव में अपना फैसला सुनाएगी और समाजवादियों एवं अम्बेडकरवादियों को ही चुनेगी।

### जनता के साथ कायम करेंगे सीधा संवाद

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कल सहयोगी दलों के शीर्ष नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण बैठक की, इसमें उत्तर प्रदेश के विकास और भविष्य पर चर्चा के साथ चुनावी रणनीति पर भी विचार विमर्श हुआ। बैठक में किसानों की खुशहाली, नौजवानों को रोजगार, महंगाई पर रोक, स्वास्थ्य सेवाओं एवं शिक्षा व्यवस्था में सुधार, कानून व्यवस्था में सुधार, व्यापारियों की सुरक्षा, स्वच्छ शुद्ध पेयजल, गरीबों को पेंशन, महिलाओं का सम्मान, उद्योग एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर में विस्तार, नदियों की सफाई और विकास के अन्य आयामों पर भी सार्थक विचार सामने आए। बैठक में यह भी फैसला हुआ कि मतदाताओं से सीधा संपर्क कर कार्यकर्ता हर दरवाजे पर जाकर गठबंधन की सरकार बनाने का आग्रह करेंगे। जनता के साथ सीधा संवाद कायम होगा।

## कांग्रेस प्रत्याशियों की लिस्ट

| विधानसभा क्षेत्र | प्रत्याशी | विधानसभा क्षेत्र | प्रत्याशी |
|---|---|---|---|
| नजीबाबाद | हाजी मोहम्मद सलीम अंसारी | उन्नाव | आशा सिंह |
| | | बख्शी का तालाब | लल्लन कुमार |
| नगीना | हेनरीता राजीव सिंह | सरोजिनी नगर | रुद्रदमन सिंह |
| नेहतौर | मीनाक्षी सिंह | लखनऊ सेंट्रल | सदफ जफर |
| मुरादाबाद | मोहम्मद नदीम | लखनऊ कैंट | दिलप्रीत सिंह |
| मुरादाबाद नगर | मोहम्मद रिजवान कुरैशी | मोहनलाल गंज | ममता चौधरी |
| असमौली | हाजी मरघूब आलम | बछरावां | सुशील पासी |
| संभल | निदा अहमद | तिलोई | प्रदीप सिंघल |
| सौर | हैदर अली खान | सालौन | अर्जुन पासी |
| चमरौहा | यूसूफ अली यूसूफ | जगदीशपुर | विजय पासी |
| बिलासपुर | संजय कपूर | कादीपुर | निकलेश सरोज |
| रामपुर | काजीम अली खान | फर्रुखाबाद | लुईस खुर्शीद |
| धनौरा | समरपाल सिंह | औरैया | सरिता दोहरे |
| अमरौहा | सलीम खान | बिल्हौर | ऊषा रानी |
| हस्तिनापुर | अर्चना गौतम | आर्य नगर | प्रमोद कुमार जायसवाल |
| किथौर | बबीता गुर्जर | किदवई नगर | अजय कपूर |
| छपरौली | युनूस चौधरी | कानपुर कैंट | सोहेल अख्तर अंसारी |
| लोनी | यामिन मलीक | महाराजपुर | कनिष्का पांडे |
| मुरादनगर | विजेंद्र यादव | कलपी | उमाकांती |
| गाजियाबाद | सुशांत गोयल | ओरई | उर्मिला सोनकर |
| गढ़मुक्तेश्नर | आभा चौधरी | महोबा | सागर सिंह |
| नोएडा | पंखुड़ी पाठक | मानिकपुर | रंजना भारती लाल पांडे |
| दादरी | दीपक भाटी चोटी वाला | हुसैनगंज | शिवकांत तिवारी |
| जेवर | मनोज चौधरी | रामपुर खास | आराधना मिश्रा |
| बरौली | गुरांगदेव चौहान | बाबागंज | बीना रानी |
| अतरौली | धर्मेंद्र कुमार | प्रतापगढ़ | नीरज त्रिपाठी |
| कोइल | विवेक बंसल | मंझनपुर | अरुण कुमार विद्यार्थी |
| अलीगढ़ | मोहम्मद सलमान इम्तियाज | फाफामऊ | दुर्गेश पांडे |
| | | प्रयागराज नार्थ | अनुग्रह नारायण सिंह |
| गोवर्धन | दीपक चौधरी | प्रयागराज साउथ | अल्पना निषाद |
| मथुरा | प्रदीप माथुर | बारा | मंजू संत |
| बैदेव | विनेश कुमार सनवाल | रामनगर | ज्ञानेश शुक्ला |
| एत्मादपुर | शिवानी सिंह बघेल | जैदपुर | तनुज पुनिया |
| आगरा | अनुज शर्मा | दरियाबाद | चित्रा वर्मा |
| आगरा उत्तर | विनोद कुमार बंसल | हैदरगढ़ | निर्मला चौधरी |
| आगरा ग्रामीण | उपेंद्र सिंह | उतरौला | धीरेंद्र प्रताप सिंह |
| खैरगढ़ | रामनाथ सिकरवार | गोंडा | रमा कश्यप |
| फतेहाबाद | होतम सिंह निषाद | डोमरिया गंज | कांति पांडे |
| बाह | मनोज दीक्षित | हरैया | लबोनी सिंह |
| टुंडला | योगेश दिवाकर | रुधौली | बसंत चौधरी |
| जसराना | विजय नाथ वर्मा | फरेंद | वीरेंद्र चौधरी |
| शिकोहाबाद | शशि शर्मा | महराजगंज | आलोक प्रसाद |
| सिरसागंज | प्रतिमा पॉल | पनियरा | शरदेंदु कुमार पांडे |
| एटा | गुंजन मिश्रा | खजानी | रजनी देवी |
| मैनपुरी | विनीता शाक्य | पदरौना | मनीष जायसवाज |
| करहाल | ज्ञानवती यादव | तमकुही राज | अजय कुमार लल्लू |
| बिसौली | प्रज्ञा यशोदा | रुद्रपुर | अखिलेश प्रताप सिंह |
| बदायूं | रजनी सिंह | रामपुर कारखाना | शेहला अहररी |
| बहेरी | संतोष भारती | भातपुर रानी | केशव चंद यादव |
| मीरगंज | मोहम्मद इलियास | बरहज | रामजी गिरि |
| बरेली कैंट | सुप्रीया अरोन | सागरी | राणा खातून |
| ओंला | ओमवीर यादव | आजमगढ़ | प्रवीण कुमार सिंह |
| बरखेड़ा | हरप्रीत सिंह छब्बा | निजामाबाद | अनिल कुमार यादव |
| पूरनपुर | ईश्वर दयाल पासवान | मेहनगर | निर्मला भारती |
| जलालाबाद | गुरमीत सिंह | मधुबन | अमरेशचंद्र पांडे |
| तिलहर | रजनीश कुमार गुप्ता | महमूदाबाद | बनवारी लाल |
| पोवायन | अनुज कुमारी | जखानियां | सुनील राम |
| शाहजहांपुर | पुनम पांडे | गाजीपुर | लौटनराम निषाद |
| दरौल | तनवीर सफदर | सकलदिहा | देवेंद्र प्रताप सिंह |
| मोहम्मदी | रितु सिंह | पिंदरा | अजय राय |
| सीतापुर | शमीना शाफिक | रोहनिया | राजेश्वर पटेल |
| बिस्वान | अभिनव भार्गव | छनबे | भगवती प्रसाद चौधरी |
| बांगरमऊ | आरती वाजपेयी | ओबरा | रामराज गोंड |
| मोहान | मधु रावत | | |

# सरेआम महिला की गोली मारकर हत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। धूमनगंज के भोला का पूरा में किराए के मकान में रहने वाली महिला संगीता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। महिला को चार गोली मारी गई है। सूचना पर पुलिस के साथ अधिकारी भी पहुंच गए। पुलिस मौके पर छानबीन और पूछताछ में पता चला कि महिला से मकान मालिक अभिमन्यु शुक्ला से कमरा खाली करने को लेकर विवाद चल रहा था। महिला अभिमन्यु शुक्ला के मकान में किराए पर रहती थी। पुलिस आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ले रही है। वही आरोपी अभिमन्यु शुक्ला मौके से फरार हो गया है। पुलिस का कहना हैं कि हत्या आरोपी अभिमन्यु को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# सलमान चरथावल और नोमान मसूद गंगोह से बसपा प्रत्याशी

### » सईद ने कांग्रेस और मसूद ने रालोद छोड़कर कल ही ली थी बसपा की सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के पहले नेताओं के दल बदलने का दौर जारी है। आज पश्चिमी यूपी के दो नेता बसपा में शामिल हो गए, जिन्हें बसपा ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट के जरिए यह ऐलान किया है।

मुजफ्फरनगर जिले के यूपी के पूर्व गृहमंत्री रहे सईदुज़्ज़मां के बेटे सलमान सईद ने बुधवार को बसपा सुप्रीमो मायावती से देर रात मुलाकात की व कांग्रेस छोड़कर बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए। सईद को बसपा ने चरथावल विधानसभा की सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। इनके साथ ही सहारनपुर जिले के पूर्व केन्द्रीय मंत्री रशीद मसूद के भतीजे व इमरान मसूद के सगे भाई नोमान मसूद भी लोकदल छोड़कर बसपा में शामिल हो गए। बसपा ने नोमान को गंगोह विधानसभा की सीट से अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।